



## भारत में तंबाकू महामारी

### प्रलिमिंस के लिये:

तंबाकू उपभोग, वैश्विक युवा तंबाकू सर्वेक्षण, तंबाकू नयितरण पर [WHO](#) फ्रेमवर्क कन्वेंशन (WHO FCTC), [वस्तु एवं सेवा कर \(GST\)](#), सगिरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA), 2003।

### मेन्स के लिये:

तंबाकू का प्रभाव और उन्मूलन उपाय, भारत में तंबाकू उपभोग का परदृश्य, तंबाकू उत्पादों पर कराधान, वैश्विक युवा तंबाकू सर्वेक्षण के नषिकर्ष।

[स्रोत: द हट्टि](#)

## चर्चा में क्यों?

वशिव भर में बीमारी और मृत्यु का सबसे व्यापक कारण **तंबाकू** है।

- भारत में तंबाकू उपभोक्ताओं की संख्या **वशिव में दूसरे स्थान पर** है (चीन के बाद), जनिकी संख्या लगभग 26 करोड़ है।

## तंबाकू के उपयोग के संबंध में मुख्य तथ्य:

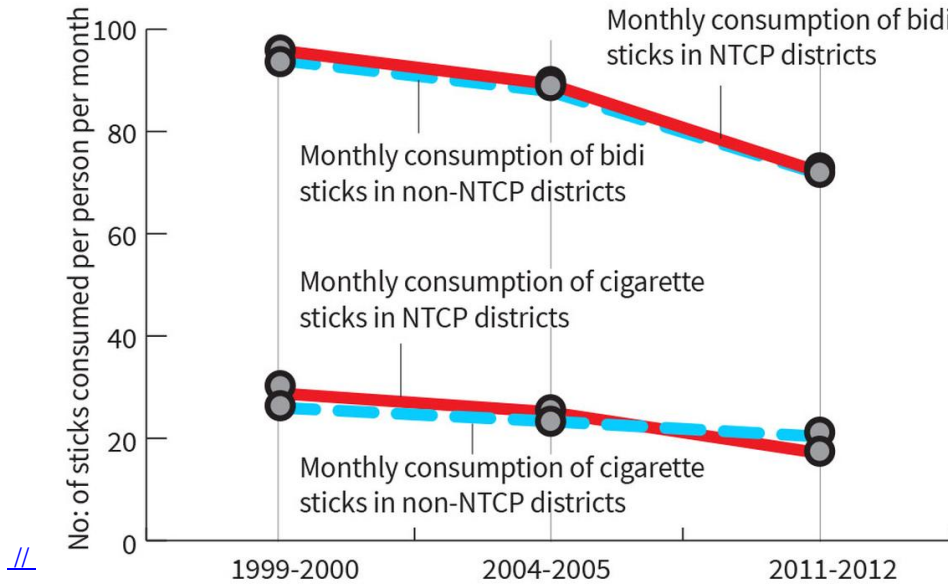
- आधे से अधिक** तंबाकू का सेवन करने वाले व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है।
- तंबाकू के कारण **प्रतिवर्ष 8 मिलियन से अधिक लोग मरते हैं**, जिनमें अनुमानतः 1.3 मिलियन वे लोग भी शामिल हैं जो धूम्रपान न करने वाले हैं तथा जो अप्रत्यक्ष धूम्रपान के संपर्क में आते हैं।
- भारत में **प्रतिवर्ष लगभग 1.35 मिलियन लोग तंबाकू के सेवन के कारण मरते हैं**।
- वशिव के **1.3 बिलियन तंबाकू उपयोगकर्ताओं में से लगभग 80% नमिन एवं मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं**।
- वर्ष 2020 में वशिव की 22.3% आबादी ने तंबाकू का सेवन किया।

## भारत में तंबाकू उपभोग के आँकड़े क्या हैं?

तंबाकू की खपत में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (National Family Health Survey- NFHS) के अनुसार, [राष्ट्रीय तंबाकू नयितरण कार्यक्रम](#) (National Tobacco Control Programme- NTCP) और गैर-NTCP ज़िलों के बीच बीड़ी या सगिरेट की खपत में कमी में कोई विशेष अंतर नहीं है।

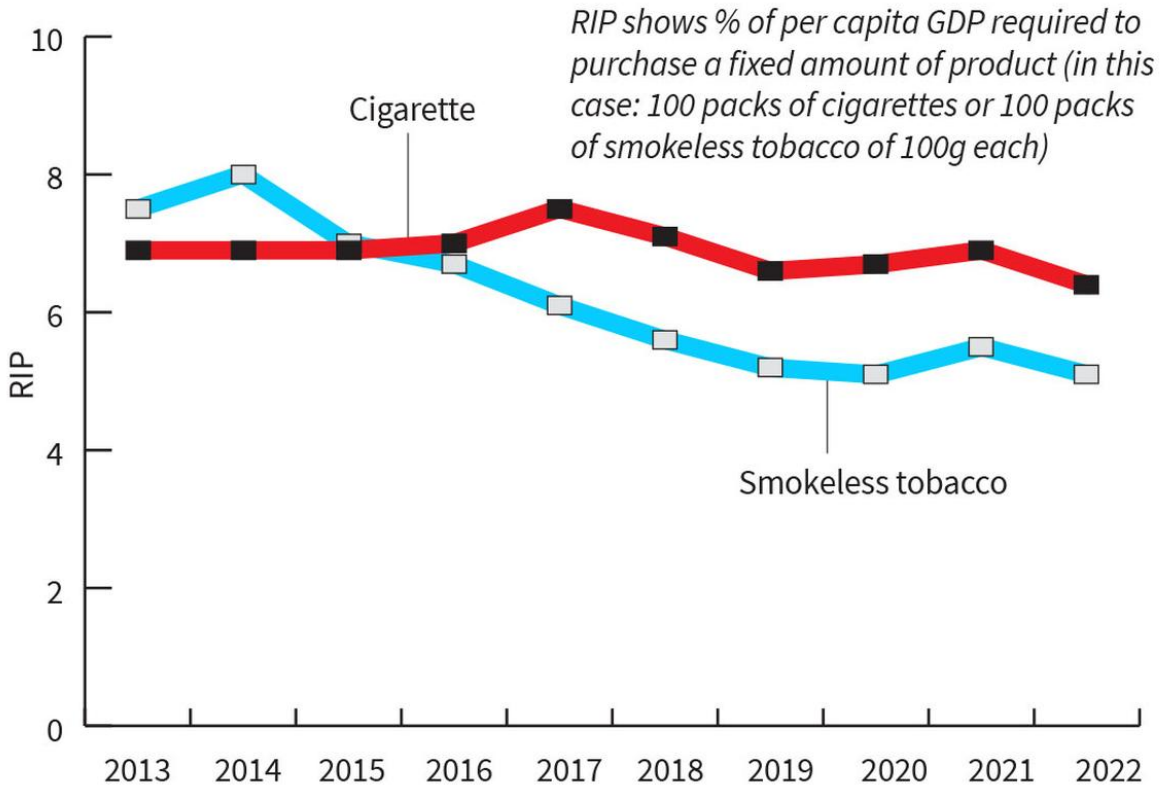
- इसके संभावित कारण **अपर्याप्त भरती, संसाधन आवंटन एवं उपयोग तथा प्रभावी नगरानी तंत्र का अभाव** हो सकते हैं।

**Chart 1:** Comparison of monthly consumption of bidi and cigarettes between National Tobacco Control Program (NTCP) districts and non-NTCP districts



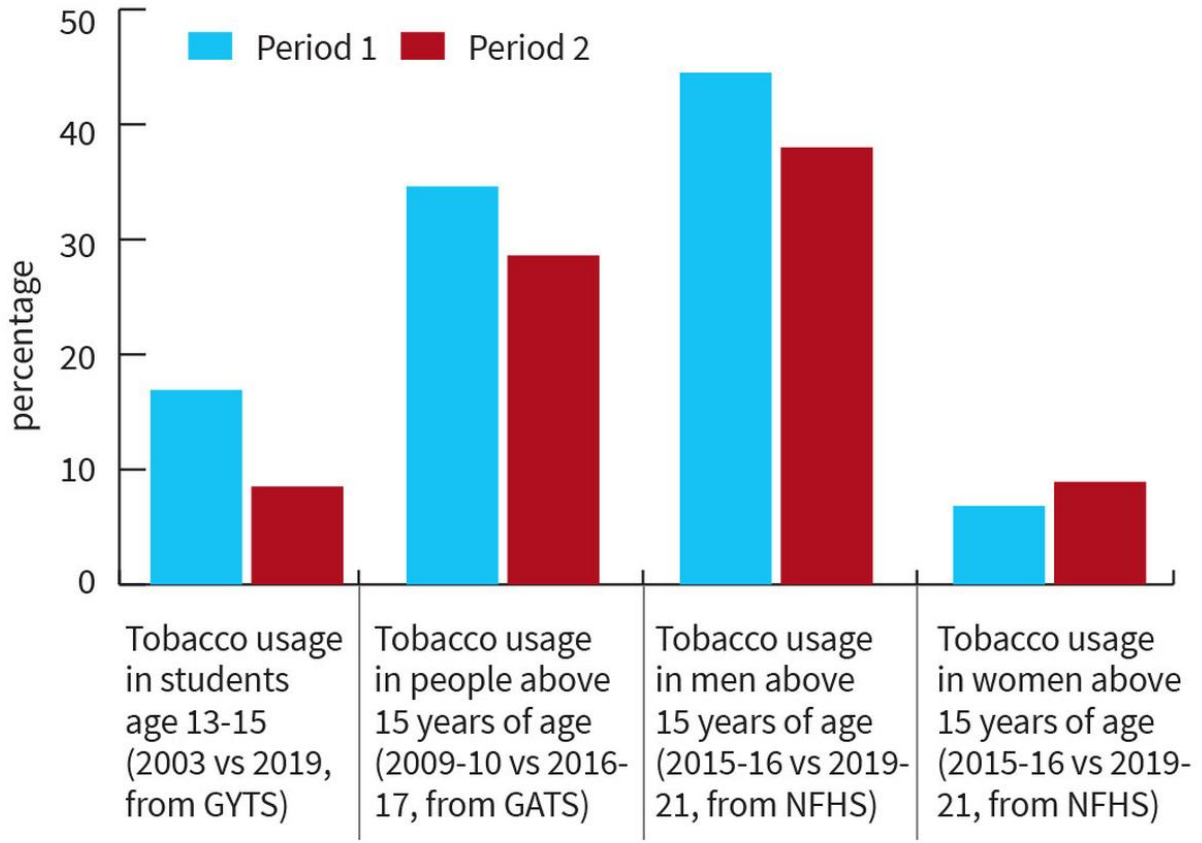
- सगिरेट और बीडी हुई सस्ती: पछिले 10 वर्षों में सगिरेट, बीडी और धुआँ रहति तंबाकू (Smokeless Tobacco) उत्पाद सस्ते हो गए हैं।
  - वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रणाली ने एकीकृत कर प्रणाली के कारण इन्हें और भी अधिक कफायती बना दिया है, जिससे कीमतें कम हो गई हैं।

**Chart 3:** Trends in Relative Income Price (RIP) for cigarettes and smokeless tobacco



- महिलाओं में तंबाकू के उपयोग में वृद्धि: महिलाओं को छोड़कर सभी वर्गों में तंबाकू का उपयोग कम हुआ है, कति वर्ष 2015 और 2021 के बीच महिलाओं द्वारा तंबाकू के उपयोग में 2.1% की वृद्धि हुई है।

**Chart 2:** Trends in tobacco usage in different population groups



Survey

#### वशिव तंबाकू नषिध दविस:

- वशिव तंबाकू नषिध दविस 31 मई को मनाया जाता है।
- [वशिव तंबाकू नषिध दविस](#) की घोषणा वशिव स्वास्थ्य संगठन के सदस्य राष्ट्रों द्वारा वर्ष 1987 में तंबाकू से होने वाली मृत्यु तथा बीमारियों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से की गई।
  - इस दविस का उद्देश्य जनता को तंबाकू के उपयोग के खतरों के बारे में जानकारी देना है।
  - यह वशिव भर के लोगों को स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के अपने अधिकार का दावा करने तथा भावी पीढ़ियों की सुरक्षा करने के लिये भी प्रोत्साहित करता है।
- 2024 का थीम “Protecting Children from Tobacco Industry Interference” बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना” है।
- यह दनि तंबाकू के उपयोग से होने वाली रोकी जा सकने वाली मृत्यु और बीमारी की याद दलिता है तथा तंबाकू नषितरण नीतियों एवं हस्तक्षेपों के महत्त्व पर प्रकाश डालता है।

#### अहलियाबाई होलकर:

- 31 मई को महारानी अहलियाबाई होलकर की जयंती भी मनाई जाती है। अहलियाबाई होलकर का जन्म 31 मई, 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर ज़िले के चोंडी गांव में हुआ था।
  - वर्ष 1733 में उन्होंने मराठा साम्राज्य के होलकर वंश के संस्थापक मल्हार राव होलकर के पुत्र खांडेराव होलकर से विवाह किया।
- वर्ष 1754 में अपने पति की मृत्यु के बाद वह मालवा राज्य की शासक बनीं।
- उन्होंने वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर सहित कई मंदिरों के नरिमाण में योगदान दिया।
- उन्होंने अपने राज्य में सती प्रथा को समाप्त किया तथा शिक्षा और महिला अधिकारों को बढ़ावा दिया।
- अहलियाबाई होलकर की मृत्यु 13 अगस्त, 1795 को हुई।

#### भारत तंबाकू के खिलाफ कैसे लड़ रहा है?

- अंतरराष्ट्रीय प्रतबिद्धता:
  - तंबाकू नयित्रण पर WHO फ्रेमवर्क कन्वेंशन (Framework Convention on Tobacco Control- FCTC):
    - भारत इस कन्वेंशन के 182 हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक है, जो वैश्विक तंबाकू नयित्रण प्रयासों के प्रतीक इसकी प्रतबिद्धता को दर्शाता है।
    - इसका उद्देश्य देशों को मांग और आपूर्ति में कमी लाने की रणनीतियाँ एवं प्रभावी राष्ट्रीय तंबाकू नयित्रण नीतियाँ विकसित करने में सहायता देकर विश्व भर में तंबाकू के उपयोग को कम करना है।
  - विश्व तंबाकू नषिध दविस:
    - तंबाकू सेवन के घातक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिये प्रतविर्ष 31 मई को 'विश्व तंबाकू नषिध दविस' के रूप में मनाया जाता है।
- राष्ट्रीय कानून:
  - सगिरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (वजिजापन का नषिध तथा व्यापार और वाणजिय, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का वनियमन) अधिनियम (COTPA) 2003: सगिरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (वजिजापन प्रतबिध तथा व्यापार एवं वाणजिय, उत्पादन, आपूर्ति व वितरण का वनियमन) अधिनियम (COTPA) 2003: यह तंबाकू के वभिनिन पहलुओं, जैसे उत्पादन और आपूर्ति, वजिजापन एवं प्रचार, वितरण, बिक्री साथ ही पैकेजिंग और लेबलिंग को नयित्त्रति करता है।
  - राष्ट्रीय तंबाकू नयित्रण कार्यक्रम (NTCP) 2007: COTPA कार्यान्वयन और FCTC अनुपालन को मज़बूत करना। इसके प्रमुख कार्यों में शामिल हैं:
    - जन जागरूकता अभियान: जनसंचार माध्यमों द्वारा चलाए जाने वाले अभियान जनता को तंबाकू के उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में शक्ति करते हैं।
    - धूम्रपान बंद करने की पहल: धूम्रपान छोड़ने के लिये श्लोगन, परामर्श और व्यवहारिक हस्तक्षेप के माध्यम से।
    - प्रवर्तन तंत्र: नामित प्राधिकारियों की सहायता से COTPA प्रावधानों का प्रवर्तन।
  - इलेक्ट्रॉनिक सगिरेट नषिध अधिनियम (PECA), 2019: इसने भारत में ई-सगिरेट पर प्रतबिध लगा दिया है।
  - राष्ट्रीय तंबाकू त्याग सेवा (NTQLS):
  - एमसेसेशन कार्यक्रम: मोबाइल प्रौद्योगिकी द्वारा तंबाकू छोड़ने की पहल।
    - सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के हिस्से के रूप में 2016 में लॉन्च किया गया।
  - तंबाकू कराधान:
    - भारत खुदरा मूल्य के 53% पर सगिरेट के साथ तंबाकू पर भारी कर लगाता है। एक सस्ता विकल्प, बीड़ी पर 16% की दर से बहुत कम कर लगाया जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य वशिषज्ज उपयोग कोहताहति करने और सरकारी राजस्व बढ़ाने के लिये अधिक बीड़ी कर चाहते हैं।

## स्वास्थ्य जोखिमों के अलावा तंबाकू के छपि हुए नुकसान क्या हैं?

- मृदा कषरण: तंबाकू की खेती से मृदा के पोषक तत्व तेज़ी से नष्ट हो जाते हैं, उन्हें अधिक उर्वरक की आवश्यकता होती है, जिससे मृदा की गुणवत्ता को और अधिक हानि पहुँचती है।
- वनों की कटाई: तंबाकू उत्पादन वनों की कटाई में योगदान देता है, जिसके प्रसंस्करण के लिये लकड़ी की आवश्यकता होती है। 1 किलो तंबाकू को संसाधित करने के लिये 5.4 किलो लकड़ी की आवश्यकता होती है।
- अपशषिउत्पादन: तंबाकू के उत्पादन और उपभोग से अत्यधिक मात्रा में अपशषिउत्पन्न होता है (भारत में प्रतविर्ष 1.7 लाख टन)।
- आर्थिक बोझ: तंबाकू के उपयोग से स्वास्थ्य देखभाल पर अत्यधिक व्यय आता है (वर्ष 2017-18 में भारत में अनुमानित 1.7 लाख करोड़ रुपए का नुकसान), जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य बजट (48,000 करोड़ रुपए) से भी अधिक है।
  - तंबाकू उद्योग में कार्यरत 6 मिलियन से अधिक लोगों को त्वचा के माध्यम से तंबाकू के अवशोषण के कारण संभावित स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा है।
- अपशषिउत्पन्न प्रबंधन लागत: तंबाकू अपशषिउत्पन्न की सफाई एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त लागत है (भारत में अनुमानित 6,367 करोड़ रुपए प्रतविर्ष)।

## भारत में तंबाकू के प्रभावी नयित्रण हेतु क्या चुनौतियाँ हैं?

- गैर-अनुपालन उत्पाद: धूम्ररहति तंबाकू (जैसे गुटखा) और तस्करी वाले उत्पाद COTPA (सगिरेट व अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम) वनियमों से बचते हैं, जिससे उनके उत्पादन, बिक्री एवं वपिणन को नयित्त्रति करना कठिन हो जाता है।
- मामूली जुर्माना: COTPA उल्लंघनों के लिये मामूली जुर्माना (जैसे: पहली बार पैकेजिंग प्रतबिधों का उल्लंघन करने पर अधिकतम जुर्माना केवल 5,000 रुपए) (2003 से अद्यतन नहीं किया गया) उल्लंघनकर्ताओं के लिये पर्याप्त नवारक के रूप में कार्य नहीं करता है।
- सरोगेट वजिजापन: तंबाकू कंपनियाँ अपने ब्रांड को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा देने के लिये चालाकी से अन्य उत्पादों (जैसे इलायची) के वजिजापनों का उपयोग करती हैं, जिससे उनकी मार्केटिंग पहुँच को वनियमिति करना कठिन हो जाता है। ये वजिजापन अप्रत्यक्ष रूप से तंबाकू के उपयोग को बढ़ावा देते हैं।
  - ICC पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में कम से कम दो तंबाकू ब्रांडों के लिये सरोगेट वजिजापन प्रदर्शित किये गए।
- अवरोध संशोधन: भारत सरकार ने वर्ष 2015 और 2020 में COTPA को मज़बूत करने के लिये प्रस्तावित संशोधनों को पारित नहीं किया है, जो इन समस्याओं को दूर कर सकते थे।
- सीमिति प्रवर्तन क्षमता: राष्ट्रीय तंबाकू नयित्रण कार्यक्रम (National Tobacco Control Programme- NTCP) में देश भर में COTPA को पूरी तरह से लागू करने के लिये कर्मचारियों, संसाधनों और उचित नगिरानी प्रणालियों का अभाव है।
- तंबाकू उद्योग में प्रभावी लॉबी:
  - हालाँकि, ई-सगिरेट पर प्रतबिध लगा दिया गया है, लेकिन समस्या अभी भी बनी हुई है और इस नीति (ई-सगिरेट पर प्रतबिध) का पूरी

तरह से क्रयान्वयन नहीं किया जा रहा है।

- छोटी तंबाकू कंपनियों के लिये कर में छूट: सरकार सभी तंबाकू उत्पादों पर समान कर नहीं लगा रही है, जिससे कुछ लोगों के लिये हानिकारक उत्पादों को बेचना सरल हो रहा है।
- सरकार के साथ हतियों का टकराव: यह तंबाकू नयितरण के प्रतिसरकार की प्रतबिद्धता के संबंध में चर्चा उत्पन्न करता है।
  - भारत की सबसे बड़ी तंबाकू कंपनी ITC Ltd. में केंद्र सरकार की 7.8% हस्सेदारी है।

## आगे की राह

- मज़बूत आधार की आवश्यकता: तंबाकू नयितरण प्रयासों के लिये भारत को सगिरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधनियम (COTPA) तथा राष्ट्रीय तंबाकू नयितरण कार्यक्रम (NTCP) का अद्यतन करने की आवश्यकता है।
- तंबाकू पर अधिक कर: तंबाकू उत्पादों, विशेष रूप से बीड़ी और धुआँ रहित तंबाकू पर कर, वशिव स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसति 75% के लक्ष्य से काफी कम है। करों में वृद्धि से उपभोग में कमी आएगी और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों हेतु राजस्व उत्पन्न हो सकेगा।
- प्रभावी नगिरानी: तंबाकू उपयोग की प्रवृत्तियों पर नज़र रखने, COTPA का उल्लंघन किये जा रहे कषेत्रों की पहचान करने तथा तंबाकू वशिवी अभियानों की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिये नयिमति नगिरानी आवश्यक है।
- तंबाकू कसिानों का समर्थन: तंबाकू कसिानों को वैकल्पिक फसलों की ओर बढ़ने में सहायता करने के लिये सार्वजनिक कार्यक्रम शुरू किये जाने चाहिये। इससे तंबाकू की खेती कम होने से होने वाली आर्थिक कठिनाई कम हो जाएगी।
- डेटा-संचालति दृष्टिकोण: तंबाकू उपयोग प्रतरीप पर डेटा का समय पर संग्रह यह समझने के लिये आवश्यक है किये प्रतरीप कैसे बदल रहे हैं और तंबाकू उद्योग द्वारा नयिोजति नई रणनीतियों की पहचान करना महत्त्वपूर्ण है। यह डेटा प्रभावी तंबाकू नयितरण नीतियों को तैयार करने के लिये भी आवश्यक है।

### दृष्टिभेन्स प्रश्न:

भारत में तंबाकू उपभोग के प्रभाव पर चर्चा कीजिये। इसके अलावा, तंबाकू उत्पादों को वनियमति करने में आने वाली चुनौतियों और वैश्विक ढाँचे के महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

## UPSC सविलि सेवा प्रश्न, वगित वर्ष के प्रश्न

### ??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2012)

1. मृदा की प्रकृति और फसलों की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्व का आकलन
2. युद्ध में चलती फरिती तोपों का उपयोग
3. तंबाकू और लाल मरिच की खेती

उपर्युक्त में से कौन-सा/से अंग्रेज़ों की भारत को देन थी/थे?

- (a) केवल 1
- (b) 1 और 2
- (c) 2 और 3
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

प्रश्न. सूची-I को सूची-II से सुमेलति कीजिये और सूचियों के नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये: (2008)

	सूची-I (बोर्ड)		सूची-II (मुख्यालय)
A.	कॉफी बोर्ड	1.	बंगलूरु
B.	रबर बोर्ड	2.	गुंटूर
C.	चाय बोर्ड	3.	कोट्टयम
D.	तंबाकू बोर्ड	4.	कोलकाता

कूट: A B C D

- (a) 2 4 3 1
- (b) 1 3 4 2
- (c) 2 3 4 1
- (d) 1 4 3 2

उत्तर: (b)

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-से कारक/कारण बैजिन प्रदूषण उत्पन्न करते हैं? (2020)

1. स्वचालित वाहन द्वारा नषिकासति पदार्थ
2. तंबाकू का धुआँ
3. लकड़ी जलना
4. रोगन किये गए लकड़ी के फर्नीचर का उपयोग
5. पॉलीयुरेथेन से बने उत्पादों का उपयोग करना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (A) केवल 1, 2 और 3  
(B) केवल 2 और 4  
(C) केवल 1, 3 और 4  
(D) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (A)

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा एक पादप-समूह 'नवीन वशिव (न्यू वर्ल्ड)' में कृषि-योग्य बनाया गया तथा इसका प्रचलन 'प्राचीन वशिव (ओल्ड वर्ल्ड)' में था?(2019)

- (a) तंबाकू, कोको और रबड़  
(b) तंबाकू, कपास और रबड़  
(c) कपास, कॉफी और गन्ना  
(d) रबड़, कॉफी और गेहूँ

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tobacco-epidemic-in-india>

